चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट में उभरते बाजारों के मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन

पटना। उभरते बाजारों में मुद्दों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने सोमवार को मिठापुर में अपने विशाल परिसर में किया जिसमें प्रतिभागियों द्वारा व्यापक मुद्दों पर विस्तृत दो दर्जन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस कांफ्रेंस में मुख्य रूप से शिक्षाविदो, सरकारी प्रतिनिधियों और नीति निमार्ताओं ने भाग लिया जो पूरे देश से यहां एकत्र हुए। सम्मेलन का उद्देश्य उभरते बाजारों में प्रबंधकीय चुनौतियों पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान का प्रसार करना था और उभरते बाजारों में व्यापार के विकास पर लक्षित रणनीतियोको आगे बढाना था। अपने उद्घाटन संबोधन में सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने इन प्रकार के शैक्षणिक सम्मेलनो के सामाजिक प्रभावों को सामाजिक और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों से जोड़ा जो बिहार के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक है। बालामुर्गन डी, आईएएसए जीवीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जो सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे, ने जीवीका संगठन के बारे में बताया कि कैसे जीवीका संगठन गरीबी से मुक्ति दिलाने में शामिल है। उन्होंने गरीबी उन्मूलन के लिये और अधिक ठोस हस्तक्षेप के लिए रणनीतियों को तैयार करने में सीआईएमपी की मदद की अपेक्षा की। डॉ राजगोपाल, ईगेड बिजनेस स्कूल, मैक्सिको सिटी में मार्केटिंग के प्रोफेसर और प्रशासनिक विज्ञान विभाग, बोस्टन विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर, ने अपने प्रमुख व्याख्यान में कुछ प्रासंगिक उदाहरणों का हवाला देते हुए उभरते बाजारों में अवसरों और चुनौतियों के बारे में बात की। प्रो राजगोपाल ने उभरते बाजारों में राज्य द्वारा आईटी और कौशल विकास में निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि युवा जनसंख्या से अधिक लाभ मिल सके।

Aaj ! Page.NO-08 ! Dated:12-12-2017

उभरते बाजार में अवसर और चुनौती को जाना

जासं, पटना : उभरते बाजार पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सोमवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में किया गया। इसमें दो दर्जन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इसमें शिक्षाविद के साथ-साथ सरकारी प्रतिनिधि और नीति निर्माता भी शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य उभरते बाजारों में प्रबंधकीय चुनौतियों पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक ज्ञान का प्रसार करना और व्यापार के विकास पर लक्षित रणनीतियों को आगे बढ़ाना था। सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने इस तरह के शैक्षणिक सम्मेलन के सामाजिक प्रभाव और ग्रामीण विपणन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जीवीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालामुर्गन डी ने जीवीका के माध्यम से गरीबी से मुक्ति पर प्रकाश डाला। इसके लिए अधिक ठोस हस्तक्षेप के लिए रणनीतियों को तैयार करने में सीआइएमपी से मदद की अपेक्षा की। ईगेड बिजनेस स्कूल, मैक्सिको सिटी के प्रो. राजगोपाल ने प्रासंगिक उदाहरणों के साथ उभरते बाजारों के चरित्र की चर्चा की। उन्होंने उभरते बाजारों के लिए आइटी और कौशल विकास में निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंथन

- चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन
- शिक्षाविद, सरकारी प्रतिनिधि और नीति निर्माता भी हुए शामिल

Dainik Jagran ! Page.NO-06 ! Dated:12-12-2017

सीआईएमपी में उभरते बाजार में प्रबंधकीय चुनौतियों पर हुई चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सोमवार को इमर्जिंग मार्केट विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि ऐसे सम्मेलनों का सामाजिक प्रभाव होता है। उभरते बाजार का फोकस ग्रामीण विपणन है, जो बिहार के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक है। सम्मेलन में उभरते बाजार में प्रबंधकीय चुनौतियों पर बात हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रबंधकीय चुनौतियों पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रसारित करना होगा। इससे उभरते बाजारों में व्यापार का विकास होगा। सम्मेलन में जीविका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालामुरुगन डी ने कहा कि जीविका संगठन गरीबी से मुक्ति दिलाने की मुहिम में शामिल है। उन्होंने गरीबी उन्मूलन के लिए और अधिक ठोस हस्तक्षेप के लिए

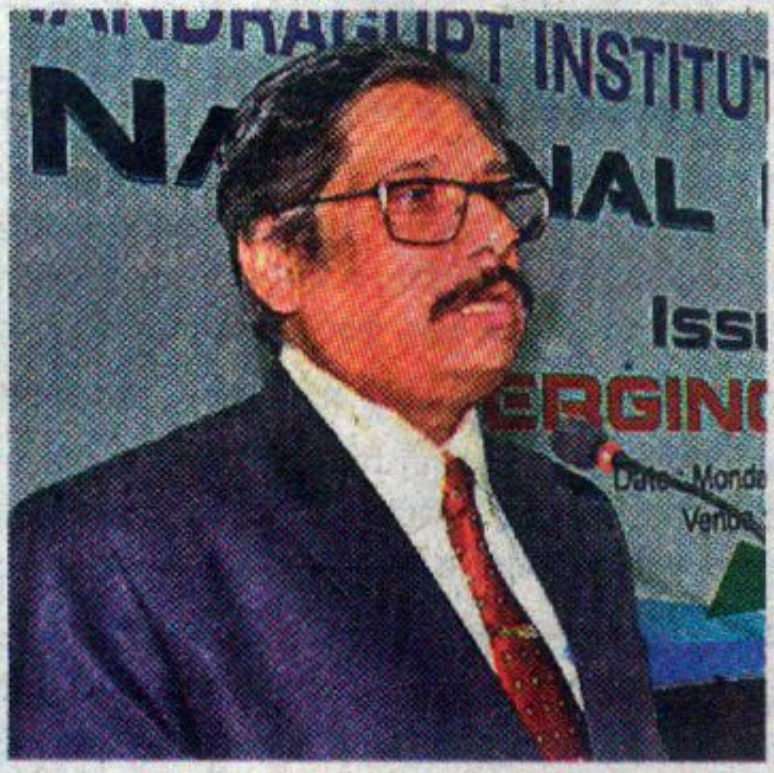

कॉन्फ्रेंस में बोलते डॉ. राजगोपाल।

रणनीतियों को तैयार करने में सीआईएमपी से मदद की अपेक्षा की। वहीं ईगेड बिजनेस स्कूल, मैक्सिको सिटी में मार्केटिंग के प्रोफेसर डॉ. राजगोपाल ने उभरते बाजारों में राज्य द्वारा आईटी और कौशल विकास में निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि युवा जनसंख्या से अधिक लाभ मिल सके।

Dainikbhaskar, Page.No-12, Date-12-12-2017

गरीबी उन्मूलन में जीविका ने सीआईएमपी का मांगा साथ

पटना | कार्यालय संवाददाता

ग्रामीणों की आर्थिक सशक्तीकरण के लिए काम कर रही बिहार सरकार की संस्था 'जीविका' ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) से अभियान में रणनीतिक सहयोग मांगा है।

सीआईएमपी में सोमवार को 'उभरते बाजार' पर कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया था, जिसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जीविका के सीईओ बालामुर्गन डी थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीविका गरीबी से मुक्ति दिलाने में शामिल है। गरीबी उन्मूलन के लिए और अधिक ठोस रणनीतियां तैयार करने में सीआईएमपी मदद करे। उन्होंने अपने संबोधन में जीविका संगठन के बारे में भी बताया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास शैक्षणिक सम्मेलनों को सामाजिक और ग्रामीण मुद्दों से जोड़ा और कहा कि यह बिहार के संदर्भ में प्रासांगिक है। मैक्सिको सिटी के ईगेड बिजनेस स्कूल के डॉ. राजगोपाल ने आईटी और कौशल विकास में निवेश करने पर जोर दिया। कहा, इससे युवा जनसंख्या से अधिक लाभ मिल सकेगा।

सीआईएमपी में सोमवार को 'उभरते बाजार' पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में शामिल छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

दो दर्जन प्रस्तुत किया शोध पत्र : उद्घाटन सत्र के बाद चार तकनीकी सत्र आयोजित हुए। इसमें दो दर्जन शोधकर्ताओं ने कॉन्फ्रेंस के विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। एमडीपी ब्लॉक के पहले और दूसरे तल्ले पर सामानांतर तकनीकी सत्र चल रहे थे। तकनीकी सत्र के तहत ही दिन के दूसरे पहर पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया था। इसमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम

- संस्थान में आयोजित किया गया था उभरते बाजार पर कॉन्फ्रेंस
- विषय पर कई लोगों के शोधपत्र प्रस्तुत, पैनल डिस्कशन भी हुआ

Hindustan (Hindi) ! Page.No-21 ! Dated:12-12-2017

गरीबी उन्मूलन में मांगा 'सीआईएमपी' का साथ

पटना। ग्रामीणों की आर्थिक सशक्तीकरण के लिए काम कर रही बिहार सरकार की संस्था 'जीविका' ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) से अभियान में रणनीतिक सहयोग मांगा है।

सीआईएमपी में सोमवार को 'उभरते बाजार' पर कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया था, जिसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जीविका के सीईओ बालामुर्गन डी थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जीविका गरीबी से मुक्ति दिलाने में शामिल है। गरीबी उन्मूलन के लिए और अधिक ठोस रणनीतियां तैयार करने में सीआईएमपी मदद करे। उन्होंने अपने संबोधन में जीविका संगठन के बारे में भी बताया। उद्घाटन सत्र में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास शैक्षणिक सम्मेलनों को सामाजिक और ग्रामीण मुद्दों से जोड़ा और कहा कि यह बिहार के संदर्भ में प्रासांगिक है। उद्घाटन सत्र में ही मैक्सिको सिटी के ईगेड बिजनेस स्कूल के डॉ. राजगोपाल ने आईटी और कौशल विकास में निवेश करने पर जोर दिया। कहा, इससे युवा जनसंख्या से अधिक लाभ मिल सकेगा।

दो दर्जन प्रस्तुत किया शोध पत्र : उद्घाटन सत्र के बाद चार तकनीकी सत्र आयोजित हुए। इसमें दो दर्जन शोधकर्ताओं ने कॉन्फ्रेंस के विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। एमडीपी ब्लॉक के पहले और दूसरे तल्ले पर समानांतर तकनीकी सत्र चल रहे थे।

Hindustan (Yuva)
Page.NO-03 ! Dated:12-12-2017

National conference on issues in emerging markets held

Our Correspondent

PATNA: A national conference on issues in emerging markets was organized by Chandragupta Institute of Management, Patna in its sprawling campus in Mithapur on Monday wherein more than two dozen research papers on a wide spectrum of issues were presented by participants, mainly academicians and government representatives and policy makers; who converged here from across the country.

The objective of the conference was dissemination of knowledge needed for overcoming managerial challenges in emerging markets and coming up with strategies targeted at business development in emerging markets.

In his inaugural address Dr V Mukunda, Director, CIMP linked up the social implications of these types of academic congregations with issues like social and rural marketing which are more relevant in the context of Bihar.

Balamurgan D, an IAS officer, Chief Executive Officer of Jeevika who was the chief guest at the conference, briefed about the activities the organization is involved in the emancipation of the poor and sought the help of CIMP in formulating strategies for a more concerted intervention.Dr Rajagopal, Professor of Marketing at EGADE Business School, Mexico City and Visiting Professor at the Department of Administrative Sciences, Boston University in his keynote address talked about the opportunities and challenges of emerging markets citing a couple of examples relevant for a country like India, and more so, for a state like Bihar. Referring to the transformation of "capitalist economies to captive economies", Prof Rajagopal stressed the need for investment in IT and skill development by the state to reap its demographic dividend in the emerging markets.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:12-12-2017

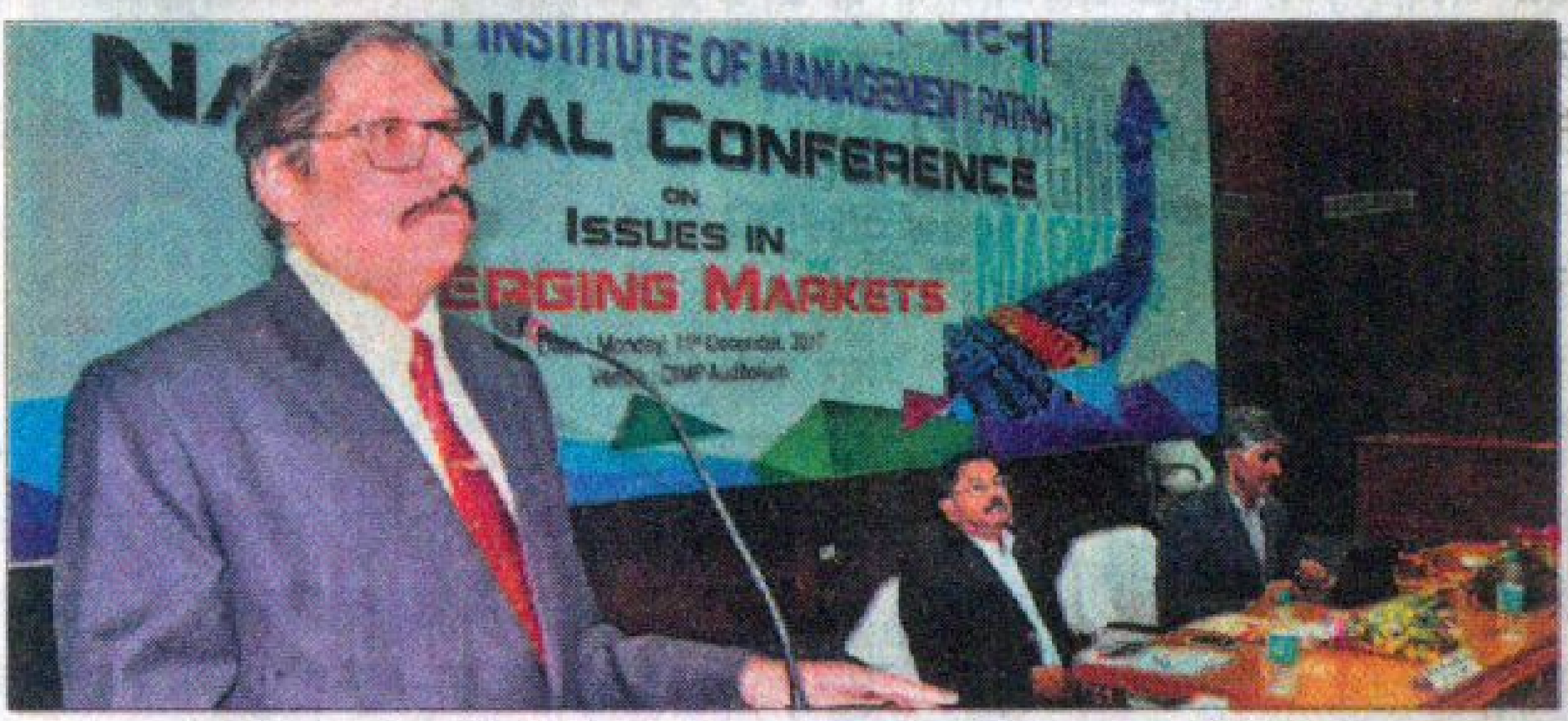

पटना. इमर्जिंग मार्केट के मुद्दों पर एक दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में किया गया. इस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से शिक्षाविदो, सरकारी प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया. कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य इमर्जिंग मार्केट में प्रबंधकीय चुनौतियों पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान का प्रसार करना था इस अवसर पर सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने इस प्रकार के शैक्षणिक सम्मेलनों के सामाजिक प्रभावों को सामाजिक और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों से जोड़ा जो बिहार के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक है. मुख्य अतिथि के तौर पर जीविका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालामुर्गन डी, आइएएस ने कहा कि कैसे जीविका संगठन गरीबों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में काम कर रही है .

Prabhatkhabar , Page.No -11, Date-12-12-2017

इमर्जिंग मार्केट पर दो दर्जन शोध पत्र प्रस्तुत

राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते अतिथि (बाएं) और सभागार में उपस्थित प्रतिभागी।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में उभरते बाजार (इमर्जिंग मार्केट) विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें प्रतिभागियों ने व्यापक मुद्दों पर विस्तृत दो दर्जन शोध पत्र प्रस्तुत किए। कांफ्रेंस में मुख्य रूप से शिक्षाविदों, सरकारी प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

ये प्रतिनिधि देश के विभिन्न राज्यों से आये थे। सम्मेलन का उद्देश्य उभरते बाजार (इमर्जिंग मार्केट) में प्रबंधकीय चुनौतियों पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान का प्रसार करना और व्यापार के विकास पर लक्षित रणनीतियों को आगे बढ़ाना था। उद्घाटन संबोधन में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने इस प्रकार के शैक्षणिक

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में उभरते बाजार (इमर्जिंग मार्केट) पर राष्ट्रीय सम्मेलन

सम्मेलनों के सामाजिक प्रभावों को सामाजिक और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों से जोड़ा, जो बिहार के संदर्भ में अधिक प्रासंगिक है। जीविका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (आईएएस) बालामुर्गन डी ने जीविका संगठन के बारे में बताया कि कैसे यह संगठन गरीबी से मुक्ति दिला रहा है। उन्होंने गरीबी उन्मूलन के लिये और अधिक ठोस हस्तक्षेप करने की रणनीति तैयार करने में सीआईएमपी की मदद की अपेक्षा की। ईगेड बिजनेस स्कूल, मैक्सिको सिटी में मार्केटिंग के प्रोफेसर और प्रशासनिक विज्ञान विभाग, बोस्टन विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. राजगोपाल ने कुछ उदाहरणों के जरिये उभरते बाजार में अवसरों और चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने उभरते बाजार में राज्य द्वारा आईटी और कौशल विकास में निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। ताकि युवा जनसंख्या से अधिक लाभ मिल सके।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-05 ! Dated:12-12-2017

TIMES NEWS NETWORK

Pramod Sharma

CIMP students at a conference in Patna on Monday

college faculty members.

CIMP: Dr Rajagopal from EGADE Business School (Mexico) on Monday talked about the opportunities and challenges of emerging markets in a state like Bihar. He was speaking at a daylong national conference on 'Issues of emerging markets' organised by Chandragupt Institute of Management Patna. He also underlined the need for investment in IT and skill development by the state.

Altogether 24 experts presented their research papers in three technical sessions during the day.

Jeevika CEO Balamurugan D, CIMP director V Mukunda Das and faculty members and students attended the conference.

Times of Inda ! Page.NO-02
Dated:12-12-2017

www.syndicatebank.in Live Tenders → Request for Proposal